Ayateshifa.in

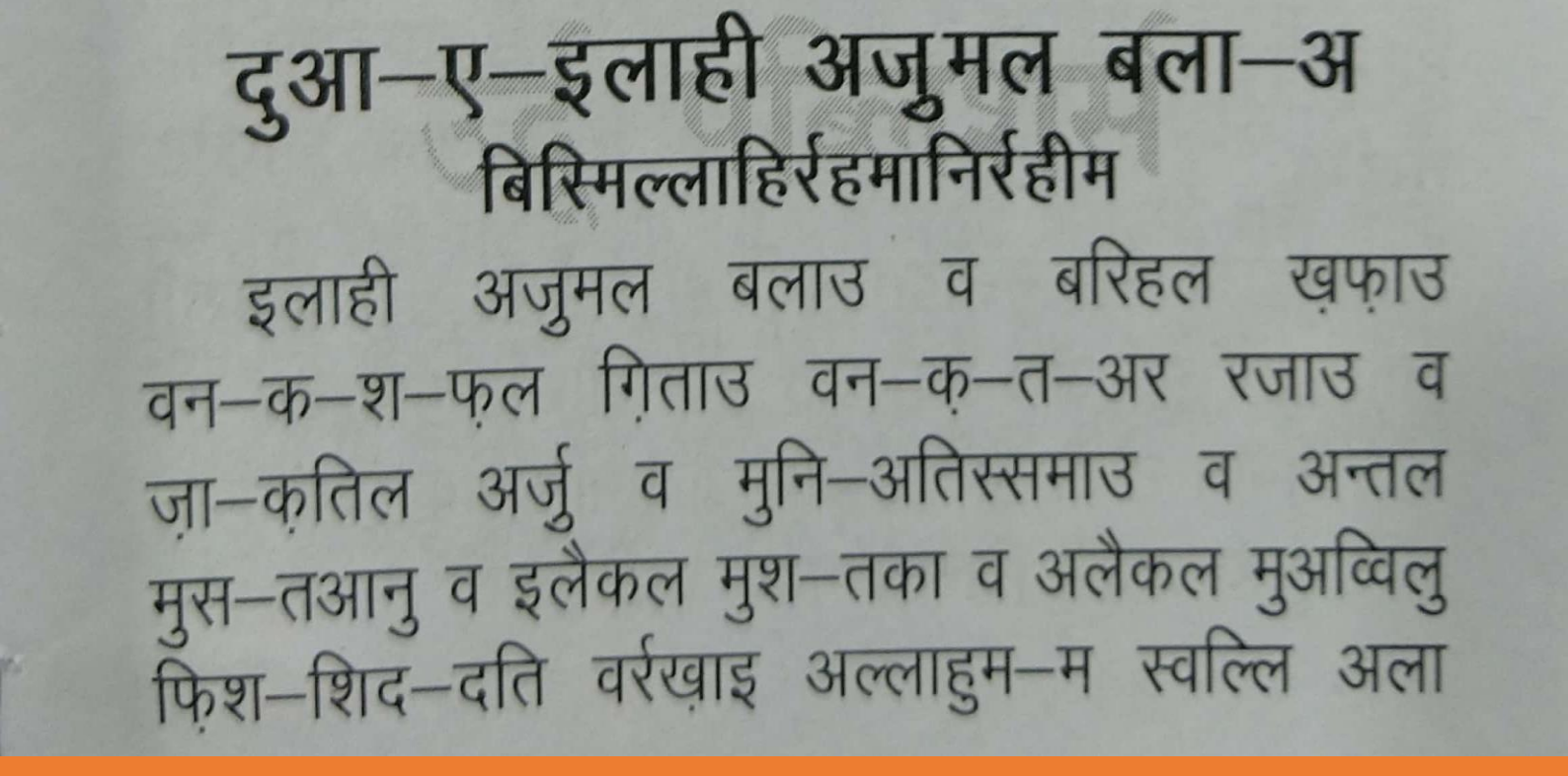

दुआ–ए–इलाही अजुमल बला–अ

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहीम

इलाही अजुमल बलाउ व बरिहल ख़फ़ाउ वन–क–श–फ़ल ग़िताउ वन–क़–त–अर रजाउ व ज़ा–क़तिल अर्जु व मुनि–अतिस्समाउ व अन्तल मुस–तआनु व इलैकल मुश–तका व अलैकल मुअव्विलु फ़िश–शिद–दति वर्रख़ाइ अल्लाहुम–म स्वल्लि अला

मुहम्मदिंव व आलि मुहम्मदिन उलिल अम्रिल्लज़ी–न फ़रज़–त अलैना ता–अ–त–हुम व अर्रफ़–तना बि–ज़ालि–क मन्ज़ि–ल–त–हुम फ़–फ़र–रिज अन्ना बि–हक़्क़िहिम फ़–र–जन आजिलन क़रीबन कलमहिल ब–स–रि अव हु–व अक़–रब। या मुहम्मदु या अली या अलिय्यु या मुहम्मद इक्फ़ियानी फ़–इन–न–कुमा काफ़ियानि वन्सुरानि फ़–इन–न–कुमा नासिरान। या मौलाना या साहिबज़्ज़मानि अल–ग़ौसल अल–ग़ौसल अल–ग़ौस, अदरिक्नी अदरिक्नी अदरिक्नी, अस्सा–अ अस्सा–अ अस्सा–अ, अल–अजल अल–अजल अल–अजल, या अर–हमर–राहिमीन बि–हक़्क़ि मुहम्मदिंव व आलिहित्ताहिरीन।

तर्जुमा

खुदाया मेरी मुसीबत बड़ी हो गई है, मेरी बेचारगी ज़ाहिर हो गई और पर्दा उठ गया और उम्मीद टूट गई और ज़मीन छोटी हो गई और आसमान रोक दिया गया और तूँ ही वह है जिससे मदद चाही जाती है और तेरी

तरफ़ शिकायत की जाती है और हर सख़्ती और आसानी में तुझ ही पर भरोसा है। खुदाया दुरूद नाज़िल फ़रमा मुहम्मद व आलि मुहम्मद सल0 पर और वह उलिल अम्र हैं जिनकी इताअत को तूने हमपर फ़र्ज़ किया है और तूने इसके ज़रिये हमको उनकी मन्ज़िलत को पहचनवा दिया है। बस हमारी मुश्किलों को हल करदे जल्दी और क़रीबी वक़्त में उनके हक़ के वास्ते से पलक झपकने में या इससे भी पहले, ऐ मुहम्मद सल0 ऐ अली अलै0, ऐ अली अलै0 ऐ मुहम्मद सल0 आप दोनों मेरे लिए काफ़ी हो जायें क्योंकि आप काफ़ी होने वाले हैं और मेरी मदद फ़रमायें क्योंकि आप मददगार हैं। ऐ हमारे मौला, ऐ साहिबुज्ज़बान अज0 फ़रियाद को पहुँचये फ़रियाद को पहुँचये फ़रियाद को पहुँचये, मेरी मदद कीजिये मेरी मदद कीजिये मेरी मदद कीजिये, इसी वक़्त इसी वक़्त इसी वक़्त, जल्दी जल्दी जल्दी, ऐ सबसे बड़े रहम करने वाले मुहम्मद सल0 व आले मुहम्मद अलै0 के सदक़े में।

Ayateshifa.in